

# PORTLAND PANDIT

PORTLAND, OREGON, 97030 | 971.221.0663 | PORTLANDPANDIT@GMAIL.COM

## महालक्ष्मी व्रत (Mahalakshmi Vrat)

यह व्रत राधा अष्टमी (भाद्रपद शुक्ल अष्टमी) से प्रारम्भ होकर आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तक चलता है। इस दिन लक्ष्मी जी की पूजन का विधान है।

### विधि:

लक्ष्मी जी की मूर्ति को स्नान कराकर नए वस्त्र पहनाये जाते हैं। फिर लक्ष्मी जी को भोग लगाकर और आचमन कराकर फूल, दीप, धूप, चन्दन आदि से आरती करते हैं।

### श्री लक्ष्मी जी की आरती:

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।  
तुमको निशदिन सेवत, हर विष्णु विधाता ॥ जय

ब्रह्माणी रुद्राणी कमला, तू ही है जगमाता ।  
सूर्य चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥ जय

दुर्गा रूप निरंजन, सुख सम्पत्ति दाता ।  
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि सिद्धि धन पाता ॥  
जय

तू ही है पाताल बसन्ती, तू ही है शुभ दाता ।  
कर्म प्रभाव प्रकाशक, भवनिधि से त्राता ॥ जय

जिस घर थारो वासो, तेहि में गुण आता ।

प्रसाद को आरती के बाद वितरित करते हैं। रात्रि को चन्द्रमा के निकलने पर उसे अर्घ्य देकर स्वयं भोजन करें।

लाभ: इस व्रत के करने से धन धान्य की वृद्धि होती है और सुख सम्पत्ति आती है।

कर न सके सोई कर ले, मन नहिं धड़काता ॥ जय

तुम बिन यज्ञ न होवे, वस्त्र न कोई पाता ।  
खान पान को वैभव, सब तुमसे आता ॥ जय

शुभ गुण सुंदर मुक्ता, क्षीर निधि जाता ।  
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नही पाता ॥ जय

आरती लक्ष्मी जी की, जो कोई नर गाता ।  
उर आनन्द अति उपजे, पाप उतर जाता ॥ जय

स्थिर चर जगत बचावे, शुभ कर्म नर लाता ।  
राम प्रताप मैया की शुभ दृष्टि चाहता ॥ जय